

विषयानुक्रम

प्रास्ताविक — राधावल्लभ त्रिपाठी	vii
द्वितीय संस्करण का प्राक्कथन — शशिप्रभा कुमार	ix
सौवस्तिकम् — पद्मभूषण पं. पट्टाभिराम शास्त्री	xi
Blessings — Prof. Gaurinath Shastri	xiii
शुभाशंसा — प्रो. वाचस्पति उपाध्याय	xv
पुरोवाक् — शशिप्रभा कुमार	xvii
आभार — शशिप्रभा कुमार	xxiii
सङ्केत-सारणी	xxix
Abbreviations	xxxiii

१. प्रथम अध्याय : विषय-प्रवेश 1
भारतीय दर्शन-परम्परा में वैशेषिक दर्शन का स्थान, 'वैशेषिक' नामकरण का आधार, वैशेषिक दर्शन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, वैशेषिक साहित्य-परिचय।
२. द्वितीय अध्याय : पदार्थ-परिकल्पना 18
पदार्थ — सामान्य लक्षण, पाश्चात्य दर्शन में पदार्थ-परिकल्पना, वैशेषिक पदार्थ-परिकल्पना का वैशिष्ट्य, सप्तपदार्थ-सिद्धान्त, सप्तपदार्थवाद का क्रमिक विकास, पदार्थ-सङ्ख्या : विप्रतिपत्तियाँ, सप्तातिरिक्त पदार्थों का खण्डन, वैशेषिक पदार्थ-निरूपण का महत्त्व।
३. तृतीय अध्याय : 'द्रव्य' — सामान्य परिचय 39
द्रव्य एवं द्रव्यत्व जाति की सिद्धि, द्रव्य का लक्षण, द्रव्य-भेद, द्रव्य-साधर्म्य, नवद्रव्यसिद्धान्त, तम का द्रव्यत्व-खण्डन, द्रव्य-सङ्ख्याविषयक विप्रतिपत्तियाँ व सिद्धान्तमतानुसार उनका समाधान, निष्कर्ष।
४. चतुर्थ अध्याय : अनित्य द्रव्य — 63
(पृथिवी, जल, तेज, वायु)
पृथिवी की सिद्धि, पृथिवी का लक्षण, पृथिवी के गुण, पृथिवी के भेद

— पार्थिव शरीर, पार्थिव इन्द्रिय (घ्राण), पार्थिव विषय।

जल की सिद्धि, जल का लक्षण, जल के गुण, जल के भेद —

जलीय शरीर, जलीय इन्द्रिय (रसना), जलीय विषय।

तेज की सिद्धि, तेज का लक्षण, तेज के भेद — तैजस शरीर,

तैजस इन्द्रिय (चक्षु), तैजस विषय, सुवर्णादि धातुओं की तैजसत्व-सिद्धि।

वायु की सिद्धि, वायु का लक्षण, वायु के गुण, वायु के भेद —

वायव्य शरीर, वायव्य इन्द्रिय (त्वचा), वायव्य विषय।

५. पञ्चम अध्याय : (क) नित्य द्रव्य —

(आकाश, काल, दिशा)

127

आकाश की सिद्धि, आकाश का लक्षण, आकाश के गुण एवं अन्य विशेषताएँ, आकाशीय इन्द्रिय-श्रोत्रेन्द्रिय।

काल की सिद्धि, काल का लक्षण, काल के गुण एवं अन्य विशेषताएँ, कालभेद।

दिशा की सिद्धि, दिशा का लक्षण, दिशा के गुण एवं अन्य विशेषताएँ, दिशा के भेद।

आकाश, काल एवं दिशा में साम्य-वैषम्य।

६. षष्ठ अध्याय : (ख) नित्य द्रव्य (आत्मा, मन)

188

आत्मा की सिद्धि, आत्मा का लक्षण, आत्मा के गुण, आत्म-नानात्व-सिद्धि।

परमात्मा या ईश्वर की सिद्धि, परमात्मा का लक्षण, परमात्मा के गुण एवं अन्य विशेषताएँ, सृष्टिरचना में ईश्वर का प्रयोजन, परमात्मा एवं जीवात्मा में भेद।

मन की सिद्धि, मन का लक्षण, मन के गुण एवं अन्य विशेषताएँ।

७. सप्तम अध्याय : गुण-विभाजन

259

गुण पदार्थ एवं गुणत्व जाति की सिद्धि, गुण का लक्षण, गुणों की सङ्ख्या, गुणों का विभाजन।

८. अष्टम अध्याय : विशेष गुण

284

(क) भूतद्रव्यों के विशेष गुण — रूप, रस, गन्ध व स्पर्श की सिद्धि, लक्षण, आश्रय द्रव्य एवं भेद। इन गुणों की पाक-प्रक्रिया — पीलुपाकवाद एवं पिठरपाकवाद। स्नेह, द्रवत्व (सौंसिद्धिक) व शब्द गुणों की सिद्धि, लक्षण एवं भेद।

(ख) आत्मा के विशेष गुण — बुद्धि का लक्षण एवं भेद — अविद्या और विद्या। अविद्या का विभाजन-संशय, विपर्यय, अनध्यवसाय व स्वप्न। विद्या के भेद-प्रत्यक्ष, अनुमान, स्मृति एवं आर्षज्ञान।

सुख-दुःख, इच्छा-द्वेष, प्रयत्न, धर्म-अधर्म व 'भावना' संस्कार गुणों के लक्षण, स्वरूप एवं भेद।

९. नवम अध्याय : सामान्य गुण

366

सङ्ख्या, परिमाण, पृथक्त्व, संयोग, विभाग, परत्व, अपरत्व, गुरुत्व, द्रवत्व (नैमित्तिक), वेग एवं 'स्थितिस्थापक' संस्कार - गुणों के लक्षण, स्वरूप एवं भेद, निष्कर्ष।

१०. दशम अध्याय : कर्म

430

कर्म-प्रक्रिया, कर्म का लक्षण, कर्म की सिद्धि, कर्म के भेद - उत्क्षेपण, अवक्षेपण, आकुञ्चन, प्रसारण एवं गमन। कर्म के उत्पादक हेतु या अष्टविध कर्म, गमन के भेद, द्रव द्रव्यों की क्रियाएँ, सापेक्ष क्रिया एवं क्रमिक क्रिया, कर्म का परिमाण, न्यूटन के कर्म-नियम एवं वैशेषिक कर्म-प्रक्रिया, निष्कर्ष।

११. एकादश अध्याय : सामान्य

468

सामान्य का लक्षण, सामान्य की सिद्धि, बौद्ध अपोहवाद का खण्डन, सामान्य के भेद, सामान्यबाधक तत्त्व, जाति एवं उपाधि का अन्तर, जाति और व्यक्ति का भेद। सामान्य एक है, सामान्य नित्य है, सामान्य सर्वव्यापक है, सामान्य प्रत्यक्षगोचर है, सामान्य एक बाह्य पदार्थ है, निष्कर्ष।

१२. द्वादश अध्याय : विशेष

511

विशेष पदार्थ की पृष्ठभूमि, विशेष का लक्षण, विशेष की सिद्धि। विशेष अन्त्य पदार्थ है, विशेष नित्य है, विशेष अनन्त हैं, प्रत्येक नित्यद्रव्य में एक-एक विशेष रहता है, विशेष सामान्यरहित होते हैं, विशेष स्वतोव्यावृत्त एवं निर्विशेष होते हैं। रघुनाथ शिरोमणि द्वारा विशेष पदार्थ का खण्डन, विशेष की पदार्थत्व-सिद्धि, विशेष पदार्थ एवं बौद्ध स्वलक्षण की तुलना, निष्कर्ष।

१३. त्रयोदश अध्याय : समवाय

531

समवाय का लक्षण, समवाय की सिद्धि, समवाय का स्वरूप एवं विशेषताएँ, अन्य सम्प्रदायों द्वारा समवाय का खण्डन, वैशेषिक दर्शन में उन सबका समाधान एवं पुनः समवाय की पदार्थत्व-स्थापना, निष्कर्ष।

१४. चतुर्दश अध्याय : अभाव

569

अभाव की पदार्थरूपेण स्वीकृति एवं स्वरूप, अभाव-पदार्थ का विकासक्रम, अभाव का लक्षण, अभाव की सिद्धि, अनुपलब्धि प्रमाण का खण्डन, अभाव का प्रत्यक्षत्व-मण्डन। अन्य दर्शन-सम्प्रदायों द्वारा अभाव - 'पदार्थत्व' का खण्डन, सिद्धान्तमत से पुनः अभाव की पदार्थत्व-स्थापना, अभाव के भेद - प्रागभाव, प्रध्वंसाभाव, अत्यन्ताभाव एवं अन्योन्याभाव; रघुनाथ शिरोमणि एवं वेणीदत्त का मत - दोहरे अभाव, निष्कर्ष।

१५. पञ्चदश अध्याय : उपसंहार	
(क) ऐतिहासिक उपलब्धियाँ (ख) वैचारिक उपलब्धियाँ	620
परिशिष्ट (क) परमाणुवाद	
परिशिष्ट (ख) सृष्टि-संहार-प्रक्रिया	633
सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची	657
नामपदानुक्रमणी	664
समीक्षाएं/सम्पत्तियाँ	677
	695